www.PapaCambridge.com

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education Advanced Subsidiary Level

HINDI LITERATURE **8675/04**

Paper 4 Texts **October/November 2009**

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िएः

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके मुख-पृष्ठ पर लिखे हुए निर्देशों का अनुसरण कीजिए।
अपना नाम, केन्द्र-संख्या, और छात्र-संख्या अपने हर उत्तर-पृष्ठ पर लिखिए।
लिखने के लिए केवल गहरे नीले या काले रंग की स्याही वाली कलम का ही प्रयोग कीजिए।
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर, गोंद या करेक्शन फ्लुइड का प्रयोग न करें।

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर दिए गए उत्तर-पुस्तिका पर **हिन्दी** में ही लिखिए।
शब्द-कोश का प्रयोग मना है।
आप परीक्षा में पाठ्य-पुस्तकों को नहीं ले जा सकते हैं।
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए।
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिए एक समान समय दें।
यदि आपने उत्तर पुस्तिका के अतिरिक्त अन्य पृष्ठों का प्रयोग किया है तो उन्हें धागे से एक साथ बाँध दें।
हर प्रश्न के अन्त में कोष्ठक के [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अंक लिखे हुए हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

DC (GB/TL) 19176/6
© UCLES 2009

UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE
International Examinations

[Turn over

www.PapaCambridge.com

भाग 1

1 तुलसीदास-श्रीरामचरित मानस और सूरदास-सूरसागर सार

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए।

(क)

(i) 'श्रीकृष्ण की बाल लीलाएँ तो अति मनोहारी हैं' इस कथन को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित पद का भावार्थ लिखिए।

(ii) रेखांकित पँक्तियों में किन अलंकारों का प्रयोग हुआ है? इसका वर्णन करते हुए पद के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। [25]

सोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरुनि चलत रेनु तन-मंडित, मुख दधि लेप किये ।
चारु कपोल, लोल लोचन, गोरोचन-तिलक दिए ।
लट-लटकनि मनु मत्त मधुप-गन मादक मधुहिं पिए।
कठुला-कंठ, बज्र केहरि-नख, राजत रुचिर हिए ।
धन्य सूर एकौ पल इहिं सुख, का सत कल्प जिए ॥१८॥
'सूरसागर सार'-गोकुल लीला-

या

(ख) सुन्दर काण्ड में वर्णित विभीषण-रावण संवाद के आधार पर तुलसीदास के इष्ट 'राम' के चरित्र का वर्णन कीजिए। [25]

www.PapaCambridge.com

2 वाचस्पति पाठक - प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न क और ख में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए।

(क) 'निरंन्तर संघर्षशील जीवन के अंधकार में 'ध्वनि' कविता निराला के व्यक्तित्व के आन्तरिक संगठन की परिचायक है।' निम्नलिखित कविता का भावार्थ लिखते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

ध्वनि

अभी न होगा मेरा अन्त
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसन्त -
अभी न होगा मेरा अन्त

हरे-हरे ये पात, डालियाँ,
कलियाँ कोमल गात
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर

पुष्प-पुष्प से तन्द्रालस लालसा खींच लूँगा मैं
अपने नव जीवन का अमृत सहर्ष सींच दूँगा मैं
द्वार दिखा दूँगा फिर उनको
हैं वे जहाँ अनन्त-
अभी न होगा मेरा अन्त

मेरे जीवन का यह है जब प्रथम चरण,
इसमें कहाँ मृत्यु ?
है जीवन ही जीवन
अभी पड़ा है आगे सारा यौवन
स्वर्ण-किरण कल्लोलों पर बहता रे, बालक मन,
मेरे ही अविकसित राग से
विकसित होगा बन्धु, दिगन्त;
अभी न होगा मेरा अन्त।

या

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित महादेवी वर्मा की कविताओं में निहित काव्य-सौन्दर्य और भाव सौन्दर्य की व्याख्या किजिए। [25]

www.PapaCambridge.com

3 मैथिलीशरण गुप्त - 'भारत भारती'

प्रश्न क और ख में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए।

(क) **(i)** निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए।
(ii) इस कविता की भाषा पर टिप्पणी कीजिए। [25]

यद्यपि सफलता की अभी तक सरसता चक्खी नहीं,
हम किन्तु जान रहे कि वह श्रम के बिना रक्खी नहीं,
यद्यपि भयंकर भाव से छाई हुई है दीनता-
कुछ कुछ समझने हम लगे हैं किन्तु अपनी हीनता ॥११९॥
यद्यपि अभी तक स्वार्थ का साम्राज्य हम पर है बना-
पर दीखते हैं साहसी भी और कुछ उन्नतमना।
बन कर स्वयंसेवक सभी के जो उचित हित कर रहे,
हो कर निछावर देश पर जो जाति पर हैं मर रहे ॥१२०॥

भविष्यत् खण्ड - आशा

या

(ख) पाठ्य-क्रम में निर्धारित अतीत, वर्तमान और भविष्यत खण्ड की कविताओं के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए। [25]

www.PapaCambridge.com

भाग 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल एक प्रश्न के 'क' या 'ख' भाग का उत्तर दीजिए।

4 प्रेमचन्द - प्रतिज्ञा

(क) ' टूटे हुए तारों से मीठे स्वर नहीं निकलते।' प्रतिज्ञा उपन्यास में सुमित्रा के कहे इस कथन के आधार पर उसकी जीवन-परिस्थिति और उसके चरित्र का चित्रण कीजिए। [25]

या

(ख) 'साहित्य समाज का एक ऐसा दर्पण है जिसमें व्यक्ति और समाज के परस्पर सम्बन्धों और गतिविधियों को देखा जा सकता है।' प्रतिज्ञा उपन्यास में चित्रित तात्कालिक सामाजिक गतिविधियों और परिस्थितियों का वर्णन कीजिए। [25]

5 जैनेन्द्र कुमार - '२३ हिन्दी कहानियाँ'

(क) प्रेमचन्द की कहानियाँ अपने समय की सामाजिक कुरीतियों और मानविक उत्पीड़न के विविध आयामों को अनावृत करती हैं। 'कफ़न' कहानी के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

या

(ख) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' की कहानी 'उसने कहा था' के पात्र लहनासिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए। [25]

6 अभिमन्यु अनत - 'मॉरिशसीय हिन्दी कहानियाँ'

(क) 'अभिमन्यु अनत कृत कहानी 'टूटा पहिया' उनके लेखन काल का प्रतिबिम्ब है।' इस कथन का निर्वाह कहानी में कैसे हुआ है ? अपने विचार लिखिए। [25]

या

(ख) लोचन विदेशी कृत 'कनफ़ेशन'कहानी में चित्रित जाक्सन के पारिवारिक परिस्थितियों की विवेचना कीजिए। [25]

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of